प्रभारी

रजिस्ट्री सं॰ डी॰ एल॰-33004/99

REGD. NO. D. L.-33004/99

## Here Gazette of

राजपत्र

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY RM- 30 Deptt- 250 CDB - 220

सं. 551] No. 551]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 15, 2004/अग्र**हायण** 24, 1926

NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 15, 2004/AGRAHAYANA 24, 1926

28/12/04

\_\_\_\_\_\_

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 2004

सा.का.नि. 810(अ).—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि रोफिकोक्सिब युक्त ओषि विनिर्मिति के उपयोग से मानव जीवन के लिए कतिपय जोखिम अंतर्गस्त होने की संभावना है।

और ओषधि का सुरक्षित अनुकल्प उपलब्ध है;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि लोकहित में इस ओषिध के विनिर्माण, विक्रय और वितरण को प्रतिषिद्ध करना आवश्यक और समीचीन है।

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, ओषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 (1940 का 23) की धारा 26-क द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, तुरन्त प्रभाव से निम्नलिखित ओषधि के विनिर्माण, विक्रय और वितरण को प्रतिषिद्ध करती है, अर्थात्:—

''मानव उपयोग के लिए रोफिकोक्सिब और उसकी विनिर्मितियां''।

[फा. सं. एक्स-11014/7/2004-डीएमएस एंड पीएफए] रीता टिओटिया, संयुक्त सचिव MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

NOTIFICATION

प्रभारी ८ा• वि• एकक्

New Delhi, the 13th December, 2004

G.S.R. 810(E).—Whereas the Central Government is satisfied that use of drug formulations containing Rofecoxib are likely to involve certain risk to human beings.

And whereas safer alternative to the drug are available;

And whereas the Central Government is satisfied that it is necessary and expedient to prohibit the manufacture, sale and distribution of this drug in public interest.

Now, therefore, in exercise of powers conferred by Section 26-A of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940), the Central Government hereby prohibits the manufacture, sale and distribution of the following drug, with immediate effect, namely:—

"Rofecoxib and its formulations for human use".

[F. No. X-11014/7/2004-DMS & PFA]

RITA TEAOTIA, Jt. Secy.